परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन
अहमदाबाद

श्री कैलाशचंदजी जैन
झाँसी

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

संरक्षक सदस्य
श्री विजयकुमार जैन, रामचन्द्र नगर, इन्दौर
आजीवन सदस्य
डॉ. जयकुमार जैन, बबीना केण्ट
श्री राजेश कुमार जैन, दीन दयालनगर, झांसी
श्री जय भगवान जैन, रजत विहार, नोएडा
श्री आजादकुमार जैन, अमानगंज, पन्ना
श्रीमती कुसुम–स्व.श्री गुलाबचंद फणीश, इन्दौर
श्री अभयकुमार जैन, सांदिपन नगर, उज्जैन

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC: SBIN0003134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो फोटोकॉपी के साथ मय जानकारी के कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।
अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

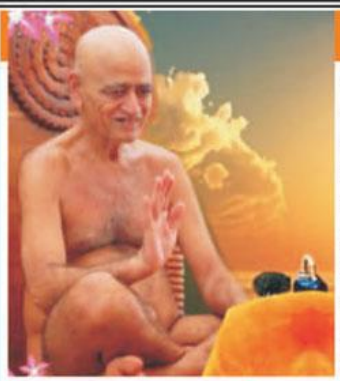

विदिशा का सौभाग्य जागा

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा। 1008 श्री शीतलनाथ भगवान की त्रय कल्याणको से सुशोभित परम पावन पुनीत धरा पर संत शिरोमणि 108 आचार्यश्री विद्यासागरजी की चातुर्मास कलश स्थापना दिनांक 13 जुलाई 2014 को शीतलधाम हरीपुरा में 1008 श्री आदिनाथ भगवान बरोंवाले बाबा की छत्र छाया में संपन्न हुआ। जिसमें देशभर से हजारों की संख्या में श्रावकगण आचार्यश्री के दर्शन हेतु पधारकर कलश स्थापना समारोह के साक्षी बने। आचार्यश्री का विदिशा नगर में तीसरी बार पदार्पण हुआ लेकिन चातुर्मास का सौभाग्य विदिशा नगरी को प्रथम बार ही प्राप्त हो सका।

प्रथम बार सन् 2002 में मार्च में होली के समय पर विदिशा को चरण रज प्राप्त हुई थी, दूसरी बार सन् 2008 में पंचकल्याणक के समय पर ससंघ सानिध्य प्राप्त हुआ था। विशेष बात तीनों बार ही आचार्यश्री के संघ में विदिशा को 38 पिच्छियों का समागम ही प्राप्त हुआ है। गोलालारीय समाज की विभिन्न संस्थाओं ने चातुर्मास व्यवस्था की अनेक जवाबदारियों का बीड़ा सहर्ष उठाया है।

श्रमण संस्कृति की परम्परा है चातुर्मास।

शिखरचंद जैन, इन्दौर। इन्दौर नगर के ईशान कोण में स्थित विजय नगर में गणाचार्य 108 श्री विरागसागरजी महाराज के सुशिष्य मुनि 108 श्री विशेष सागर महाराज का 18वां वर्षायोग एवं चातुर्मास कलश स्थापना का भव्य समारोह संपन्न हुआ। सम्यकदर्शन, ज्ञान और चारित्र, जीवदया (अहिंसा) एवं तीर्थरक्षा इन पंच चातुर्मास कलशों की स्थापना हुई। इस अवसर पर मुनिश्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा – एक इन्द्रिय से लेकर पांच इन्द्रिय जीवों का जब पुण्योदय होता है तब उस नगर में दिगम्बर साधु का वर्षायोग होता है। साधु के साथ साथ श्रावकजन भी अपनी व्रतों की सीमा बांध लेते हैं। स्व पर कल्याणक एवं विशुद्धि बढ़ाने का योग जुड़ने लगता है। जिस प्रकार मंदिरजी की शोभा शिखर से होती है उसी तरह चातुर्मास की शोभा मंगल कलश से होती है। मंगल कलश हमेशा मंगलद्रव्यों से भरा होता है। जिससे सभी आत्मायें अधिक से अधिक आत्मकल्याण करें। यह वर्षायोग विजयनगर के लिए नहीं अपितु पूर्वोत्तर क्षेत्र व समस्त इन्दौरवासियों के लिए है। धर्मसभा का शुभारंभ सुनीति जैन, सीमा जैन के मंगलाचरण से हुआ, सभा में पधारे महानुभावों ने मुनिश्री को श्रीफल भेंट किये। मौजमाबाद जयपुर से आये अतिथियों ने चित्रानावरण किया। दीप प्रज्ञवलन एवं पाद प्रक्षालन के बाद धर्मसभा शुरु हुई एवं संचालन अध्यक्ष श्री सुगनचंद जैन ने किया।

पंकज जैन, इन्दौर। परम पूज्य प्रखर प्रवक्ता संत शिरोमणि धर्मसूर्य आचार्यश्री 108 विवेकसागरजी महाराज का चातुर्मास इन्दौर के सुखलिया में भव्य कलश स्थापना के साथ सानंद संपन्न हुआ। कलश स्थापना के पुण्य अवसर पर आपने कहा कि आत्मा की साधना में सभी के सहयोग की आवश्यकता होती है। चातुर्मास की बेला में साधु चार माह तक एक ही स्थान पर रहकर धर्म की प्रभावना एवं आत्मा के कल्याण की साधना करते है। जिसमें गुरु–शिष्य, भक्त–भगवान, और पतित पावन का संयोग होता है। आचार्यश्री ने बताया धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ये चार पुरुषार्थ है। जिसमें सबसे पहले धर्म पुरुषार्थ है। फिर अर्थ, काम और मोक्ष है। यदि व्यक्ति का पहला लक्ष्य धर्म है तो जीवन में किसी तरह का व्यतिक्रम नहीं हो सकता। लेकिन हमने अपने लक्ष्य और भावों को उलट दिया है तो परेशान रहते है। इसीलिये धर्म कर्म के प्रति आपको तत्पर रहना चाहिए। बाधायें तो अवश्य आती है पर उनसे विचलित हुए बिना हमें अपनी भावना से भक्तिभाव से जुड़े रहना चाहिए। मंगल कलश धर्म के पर्याय है जिनकी स्थापना धार्मिक कार्यो के शुभारम्भ के समय की जाती है। जिसका मंगल प्रभाव समस्त वातावरण में निरंतर बना रहता है। चातुर्मास समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघई ने सभा में पधारे समाजजनों एवं व्यवस्था समिति के सदस्यों का आभार प्रकट किया।

गोलालारीय समाज ललितपुर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न।

शैलेष जैन 'पिन्टू', ललितपुर। श्री दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज (रजि.) के त्रिवार्षिक चुनाव 20 जुलाई को निर्विरोध संपन्न हुए। पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिरजी के धर्मशाला सभागार में 27 जुलाई संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवृत्तमान अध्यक्ष अरविन्द जमादार ने की, मुख्य अतिथि के रुप में सदर विधायक श्री रमेश कुशवाहा दिगम्बर जैन पंचायत समिति के अध्यक्ष स.सि.श्री अजित खजुरिया एवं महामंत्री इंजीनियर अनिल अंचल पूर्व पार्षद श्री प्रकाशचन्द्रजी एड. राष्ट्रीय जैन पत्रकार अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र जैन सोमचन्द्र अहमदाबाद, अशोक जैन जखौरा एवं श्री दिगम्बर जैन महिला परिषद की चेयर पर्सन डॉ. श्रीमती अरुणा जैन, देवगढ़ मैनेजिंग कमेटी के अध्यक्ष श्री सेठ चम्पालालजी नौहरकलां, वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब संरक्षक श्री सुरेन्द्र शर्मा ने शिरकत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवाधिदेव 1008 श्री आदिनाथ भगवान के चित्र अनावरण एवं ज्ञानदीप प्रज्ञवलन के साथ हुआ। श्रीमती सोनल डॉ. राजीव जैन ने मंगलाचरण एवं सामूहिक रुप से वीर वंदना का पाठ किया, इसके पश्चात निवृत्तमान मंत्री श्री अरविन्द बरोदा ने गत सभा की कार्यवाही का पाठन किया जिसे सहर्ष अनुमोदित कर दिया गया । अतिथियों का तिलक, माला, श्रीफल एवं शाल भेंट कर सम्मान किया गया।

इसके उपरांत श्री भूपेन्द्रजी अजयजी प्राचार्य, डॉ. हुकुमचन्द पवैया, महेन्द्रजी चूना एवं उपस्थित अतिथियों ने अपने उद्गार व्यक्त किये। इसके पश्चात श्री दिगम्बर जैन पंचायत अध्यक्ष अजीत खजुरिया द्वारा श्री मुन्नालाल एडवोकेट सिलगन को अध्यक्ष, श्री अनिल नारियल को महामंत्री, श्री कुलदीप नौहरकलां को कोषाध्यक्ष, श्री रविन्द्र मोदी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री सुनील गुदेरा को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री धमेश्वर जमोरिया को सहमंत्री, श्री अंकित जैन एडवोकेट एवं श्री राकेश जैन (डब्ल्यू) को ऑडिटर, श्री कमल बडैरा को कार्यालय मंत्री एवं श्री मुकेश नोहर, श्री मनीष राख, श्री संजय पवैया, श्री हिमांशु जैन, श्री सुनील कैलवारा, श्री अभिषेक जैन एडवोकेट, श्री अभिषेक बिलौआ, श्री सौरभ देवरान को सदस्य पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अंत में निवृत्तमान अध्यक्ष द्वारा आभार व्यक्त किया गया एवं संचालन राकेश जैन (डब्ल्यू) ने किया। अंत में उपस्थित जन समूह ने स्नेह भोज का आनंद लिया। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाईयाँ।

इन्दौर गोलालारीय समाज की बहुआयामी पारिवारिक पुस्तिका 'प्रयास' के प्रकाशन का कार्य प्रगति पर है। इस पुस्तिका में मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र में निवासरत गोलालारीय परिवार की जानकारी प्रकाशित की जाना है। जिन परिवारों ने जनगणना फार्म जमा नहीं कराये है वे शीघ्र ही जमा करावें एवं जिन परिवारों को फार्म प्राप्त नहीं हुए है वे 9329524227, 9425903301, 9424013136 पर संपर्क कर फार्म प्राप्त कर सकते है। विशेष – नगर में अध्ययनरत/नौकरी/व्यवसाय कर रहे एकल व्यक्ति भी अपनी जानकारी अवश्य देवें। समाज जनों से सादर अनुरोध है कि वे इस सूचना की जानकारी शहर में आये नवीन परिवारों या शिक्षारत विद्यार्थियों को अवश्य देवें।